पंजीयन क्र. 50309/85 के अन्तर्गत भारत सरकार के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार द्वारा पंजीकृत। डाक पंजीयन क्र. म.प्र./261/ भोपाल/2006-08

नज़ीर अकबराबादी

आगरे की ककड़ी

पहुँचे न इसको हरगिज़ काबुल दरे की ककड़ी।
ने पूरब और ने पच्छिम, खूबी भरे की ककड़ी।
ने चीन के परे की और ने वरे की ककड़ी।
दक्खिन की और न हरगिज़, उससे परे की ककड़ी।

क्या खूब नर्मो नाज़ुक, इस आगरे की ककड़ी।
और जिसमें खास काफिर, इस्कन्दरे की ककड़ी।।

मीठी है जिसको बर्फी कहिए गुलाबी कहिए।
या हल्के देख उसको ताज़ी जलेबी कहिए।
तिल शकरियों की फाँकें, अब या इमरती कहिए।
सच पूछिए तो इसको दनदाने मिश्री कहिए।

क्या खूब नर्मो नाज़ुक, इस आगरे की ककड़ी।
और जिसमें खास काफिर, इस्कन्दरे की ककड़ी।।

छूने में बर्गे गुल है, खाने में कुरकुरी है।
गर्मी के मारने को एक तीर की सरी है।
आँखों में सुख कलेजे ठण्डक हरी-भरी है।
ककड़ी न कहिए इसको, ककड़ी नहीं परी है।

क्या खूब नर्मो नाज़ुक, इस आगरे की ककड़ी।
और जिसमें खास काफिर, इस्कन्दरे की ककड़ी।।

स्वामी रैक्स डी रोज़ारियो प्रकाशक, मुद्रक सी. एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक, एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, 61/2 बस स्टॉप के पास, भोपाल-462016, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आर. के. सिक्युप्रिन्ट प्रा. लि. प्लॉट नम्बर 15-बी, गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल - 462021 (फोनः 0755 - 2687589) से मुद्रित। सम्पादकः सुशील शुक्ल।